प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक लेकर अधिकरियों को दिए निर्देश

अमृत 2 .0 के क्रियान्वयन में लेट लतीफी पर नाराज हुए प्रभारी मंत्री

नवभारत न्यूज
छिंदवाड़ा,07 मई. अमृत 2.0 योजना के क्रियान्वयन में लेट लतीफी पर प्रभारी मंत्री ने नाराजगी जाहिर की और ठेकेदार पर पेनाल्टी लगाते हुए निर्धारित समय सीमा के अंदर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी नगरीय निकायों को पेयजल समस्या का स्थाई समाधान निकालने की बात कही।

नगरीय निकाय सक्षम होते हैं और संभावित समस्याओं की पूर्व से जानकारी होती है, ऐसे में पूरी तैयारी रहनी चाहिए और समस्या के आते ही समाधान भी त्वरित होना चाहिए। नगर निगम में बीते दिनों आंधी तूफान के बाद आई पेयजल समस्या और नगरीय निकाय चौरई, जुन्नारदेव और परासिया की पेयजल समस्या के संबंध में समिति के सदस्यों द्वारा अवगत कराने पर प्रभारी मंत्री ने सभी संबंधित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कलेक्टर को इस संबंध में बैठक करने और समस्या का स्थाई समाधान निकालने के निर्देश दिए। यह बात प्रदेश के लोक निर्माण विभाग मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह ने कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक के दौरान कही।

रेस्टोरेशन कार्य की गुणवत्ता पर जताई नाराजगी

प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी द्वारा पाइप लाइन बिछाने के बाद कुछ स्थानों पर किए गए रोड रेस्टोरेशन कार्य की गुणवत्ता पर नाराजगी जाहिर की और गुणवत्ता सुधारने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पेयजल की स्थिति को लेकर स्पष्ट निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में नल जल योजनाओं का क्रियान्वयन सुचारू रहे। फील्ड में नियमित नजर बनाए रखें। जहां बोर कराए हुए थे, देख लें कि वे चल रहे हैं या नहीं, अन्यथा वैकल्पिक व्यवस्था बनाएं। पेयजल कंट्रोल रूम 24 घंटे सक्रिय रहें। इनके नंबर ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत स्तर तक सभी को पता रहें। कंट्रोल रूम में आने वाली शिकायतों की विधिवत पंजी संधारित की जाए। शिकायतों का तत्परता से निराकरण कराते हुए ग्रामीणों से फीडबैक भी लिए जाएं। यह रिकॉर्ड आगामी वर्ष की पुख्ता पूर्व कार्ययोजना बनाने में बहुत उपयोगी साबित होगा। उन्होंने

व्यापारी शेड से समय पर उठाएं अनाज

बैठक में कृषि उपज मंडी कुसमेली में कृषकों को हो रही परेशानी की ओर प्रभारी मंत्री श्री सिंह का ध्यान आकर्षित कराया गया। बैठक में बताया गया कि व्यापारी निर्धारित समय सीमा के बाद भी कई हफ्तों तक खाद्यान्न मंडी के शेड में रखे रहते हैं, जिसके कारण किसानों को परेशानी हो रही है। इस पर प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने सभी व्यापारियों से आग्रह किया कि शासन की मंशा के अनुरूप किसान हित में जो नियम बनाए गए हैं, उनका पालन सुनिश्चित करें और मंडी के शेड से अपना अनाज समय पर उठाएं।

जैविक कृषि को बढ़ावा देने पर दिया जोर

प्रभारी मंत्री श्री सिंह द्वारा स्वयं भी जिले के किसानों से क्रय कर जैविक-प्राकृतिक उत्पादों का नियमित उपयोग किया जाता है और वे निरंतर जैविक कृषि को बढ़ावा देने पर जोर देते हैं। उनके मार्गदर्शन में ही बीते माहों से सब्जी मंडी गुर्रया में प्रत्येक शनिवार जैविक हाट बाजार लगाया जा रहा है, जिससे जैविक खेती करने वाले किसानों को भी विक्रय का एक स्थान मिला है और उनके उत्पादों को आमजन से भी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रहा है। उन्होंने जिले में हो रही प्राकृतिक और जैविक खेती करने वालों किसानों की सराहना की। सभी जनप्रतिनिधियों से भी जिले में प्राकृतिक-जैविक खेती को और बढ़ावा देने में सहयोग की अपील की।

फसल विक्रय में न हो किसानों को परेशानी

जिले में गेहूं उपार्जन और ई टोकन प्रणाली से खाद वितरण की समीक्षा करते हुए उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को फसल विक्रय में किसी तरह की किसानों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। यदि कहीं स्लॉट बुकिंग या खाद वितरण के लिए ई टोकन बुकिंग में सर्वर की समस्या संज्ञान में आए तो राज्य स्तर से समन्वय कर उसका त्वरित निराकरण करें। जिले में खाद की पर्याप्त उपलब्धता के संबंध लगातार मीडिया के माध्यम से किसानों तक इसका व्यापक प्रचार प्रसार नियमित रूप से किया जाए। ई टोकन बुकिंग में किसानों को तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराया जाए।

नगर निगम में शहर कांग्रेस और कांग्रेस पार्षद दल ने किया विरोध प्रर्दशन

आधा शहर पेयजल सप्लाई से अछूता, स्वच्छता और पेयजल का सिर्फ टैक्स वसूला जा रहा

नवभारत न्यूज
छिंदवाड़ा,07 मई. शहर सरकार में सुविधाएं शून्य और टैक्स पूरा वसूला जा रहा है। नगर निगम क्षेत्र की जनता से स्वच्छता टैक्स, जल कर और जमीन टैक्स भारी भरकम वसूल रहे। व्यवस्थाएं व सुविधाएं पूरी तरह चूर-चूर हो चुकी। शहर के आधे से अधिक हिस्से में पेयजल आपूर्ति प्रभावित है।

सफाई नहीं के बारबार हो रही, नालियां बजबजा रही और सीवरेज का पानी सड़क पर बह रहा। चेम्बर सड़क से ऊपर है या फिर नीचे जिसके चलते हादसे होना अब आम बात हो चुकी। इन समस्याओं लेकर शहर कांग्रेस ने प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। बता दे कि राजीव भवन स्थित कांग्रेस कार्यालय से कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्तागण रैली के रूप में मुख्य मार्ग से होते हुए निगम कार्यालय पहुंचे यहां निगम व भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस की महिला पार्षदगण व महिला नेत्रियों ने मुख्य द्वार पर धरना दिया। मटकी पर महापौर व कमीशनर लिखकर अनोखा विरोध प्रगट करते हुए पेयजल समस्या के अविलम्ब निराकरण की मांग उठाई। शहर कांग्रेस के द्वारा प्रस्तुत 11 सूत्रीय मांगों के ज्ञापन में जनता से जुड़ी मूलभूत समस्याओं से अवगत कराया गया। मुख्य रूप से पेयजल की समस्या, स्ट्रीट लाइट का बंद होना, नक्शा पास नहीं होना, सीवरेज की समस्या सहित अन्य मांगों पर ध्यान केन्द्रित कराते हुए उनके निराकरण हेतु अविलम्ब व ठोस कदम उठाने की मांग की। कांग्रेस ने यह चेतावनी भी दी कि यदि समय रहते मांगें पूरी नहीं हुई तो पुन: आंदोलन होगा।

जनता पर डाल दिया टैक्स का भारी भरकम बोझ : श्री ओक्टे

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे ने आयोजित रैली व धरना प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए कहा कि कमलनाथ एवं नकुलनाथ के कार्यकाल में जनता पर कभी टैक्स का बोझ नहीं पड़ा और सुविधाएं भरपूर दी गई, किन्तु भाजपा शासित निगम सरकार ने तानाशाही की सारी हदें पार करते हुए जनता पर भारी भरकम टैक्स को बोझ तो डाला ही साथ ही सुविधाओं के नाम पर कुछ भी नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी की प्रस्तुत ज्ञापन की मांगों को अविलम्ब पूरा नहीं किया गया तो जनता के हितों के लिए कांग्रेस वृहद आंदोलन करेगी।

ननि की सुविधाएं और व्यवस्थाएं शून्य : सोनू मागो

शहर कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेन्द्र सोनू मागो ने कहा कि नगर निगम की जागरूक जनता पर कर का बढ़ा हुआ बोझ भाजपा नित निगम सरकार के द्वारा डाला गया है। जनता से भारी भरकम टैक्स वसूला जा रहा है, किन्तु सुविधाएं और व्यवस्थाएं शून्य है। निगम महापौर वार्डों में जनता की सेवा के लिये तत्पर नहीं है यह बात सर्वविद्यमान है। नगर निगम के प्रशासनिक अधिकारी लगातार जनहितैषी कार्यों की अनदेखी कर मनमानी पर अमादा है। अधिकारी जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों को रोक रहे हैं, निगम क्षेत्र के आधे हिस्से में पेयजल आपूर्ति पूरी तरह से प्रभावित है। कभी पेयजल आ रहा है और कभी नहीं, जिसके चलते आमजन को तरह-तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पेयजल की बाधित आपूर्ति से जनता को निजात दिलाने के लिए टैंकरों से भी पानी की सप्लाई नहीं दी जा रही। मवेशियों को पकड़कर कांजी हाऊस पहुंचाये जाने की व्यवस्था बनाई जावे साथ ही श्वानों की नसबंदी की जाये। शहर में बिजली, पानी की पर्याप्त आपूर्ति नहीं दी जा रही। शहर में स्वच्छता हेतु प्रशासनिक अमला किंचित भी चिंतित नहीं है और ना ही कोई ठोस कदम उठाये जा रहे हैं।

लाठी से मारपीट करने वाले दो आरोपी को 1-1 वर्ष की सजा

नवभारत न्यूज
छिंदवाड़ा,07 मई. हर्षिता पिपरेवार न्यायिक मजिस्ट्रेड प्रथम श्रेणी तहसील पांढुर्णा व्दारा आरोपी रामदास पिता लच्छु बोबड़े 45 वर्ष, एवं लक्ष्मी पति रामदास बोबड़े 35 वर्ष दोनों निवासी तिगांत भादवि की धारा 323, 325 सहपठित धारा 34 में 1-1 वर्ष का सश्रम कारावास व 500 500 रूपये के अर्थदंड से दंडित किया गया।

घटना का विवरण अभियोजन का प्रकरण संक्षेप में इस प्रकार है कि फरियादी मधुकर धांदल ने थाने में आकर इस आशय की रिपोर्ट दर्ज कराई की वह ग्राम तिगांव में रहते हुये खेती का कार्य करता है तथा उसका खेत गाँव के ही तासीबाई पति रामदास के खेत से लगा हुआ है जिसका आने-जाने के लिए रास्ते को लेकर न्यायालय में केस चल रहा है। उस रास्ते में उसके द्वारा बेर के कांटे लगाया गया है। 09.03.2024 की शाम को खेत पर निकलने कि बात को लेकर आरोपी रामदास ने फरियादी मधुकर के साथ गाली-गुफता करने लगा तो फरियादी मधुकर ने गाली देने से मना किया इसी दौरान मौके पर आरोपी रामदास की पत्नी लक्ष्मी वहा पर हाथ में लाठी लेकर आई और फरियादी मधुकर के बांये पैर की जांघ में मारा तथा उसी माँ सुभद्रा बाई के बाये हाथ की कलाई को रामदास ने मोड दिया। उक्त आशय की रिपोर्ट के आधार पर आरक्षी केंद्र पांढुर्णा में अपराध कर्माक 160/2024 धारा 294, 323, 325, 34 भादवि में अपराध पंजीबद्ध कर आहत का चिकित्सीय परीक्षण कराया जाकर एवं अन्य आवश्यक अनुसंधान उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। न्यायालय व्दारा अपराध कि गंभीरता एवं अभियोजन साक्ष्य एवं तर्को पर विचार करने के उपरांत आरोपीगण रामदास बोबड़े और सहआरोपी लक्ष्मी को भादवि की धारा 323, 325 सहपठित धारा 34 में 1-1 वर्ष का सश्रम कारावास व 500-500 रूपये के अर्थदंड से दंडित किया गया। शासन की ओर से प्रकरण में उमेश कुशवाहा सहायक जिला अभियोजन अधिकारी पांढुर्णा व्दारा पैरवी की गई।

कार के ऊपर कोयले से भरा ट्रक पलटने से व्यवसायी की मौत

शिवपुरी -झुर्रे मार्ग पर हुआ भीषण हादसा, अन्य युवक गंभीर रूप से घायल

नवभारत न्यूज
परासिया/ शिवपुरी,07 मई. झुर्रे मार्ग पर गुरुवार दोपहर करीब तीन बजे हुए दर्दनाक सड़क हादसे में मुकेश काले की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मुकेश काले अपने व्यवसाय के सिलसिले में कार से परासिया से झुर्रे की ओर जा रहे थे।

इसी दौरान नेहरिया खदान से कोयला भरकर आ रहा एक ट्रक अनियंत्रित होकर उनकी कार के ऊपर पलट गया। हादसा डालमिया कंपनी के समीप हरनभटा घाटी में हुआ, जहां लंबी ढलान होने के कारण ट्रक संतुलन खो बैठा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक क्रमांक एमएच 40 सीडी 4001 अचानक कार के ऊपर पलट गया, जिससे कार पूरी तरह कोयले में दब गई। कार में सवार मुकेश काले की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके साथ बैठे एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। कोयले में दबे लोगों को बाहर निकालने के लिए जेसीबी मशीन की मदद लेनी पड़ी। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि घाटी क्षेत्र में कई ट्रक चालक डीजल बचाने के लिए वाहन को न्यूट्रल या रोल में चलाते हैं, जिससे इस तरह के हादसों का खतरा बढ़ जाता है।

परिजनों के रुदन से गूंजा अस्पताल

मुकेश काले की मौत की खबर फैलते ही चांदामेटा और परासिया क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। शव के अस्पताल पहुंचते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। जानकारी के अनुसार मृतक की पत्नी और पुत्र ऑस्ट्रेलिया में हैं, जबकि छोटा पुत्र भोपाल में पढ़ाई कर रहा है। माना जा रहा है कि परिवार के विदेश से लौटने के बाद ही अंतिम संस्कार किया जाएगा।मुकेश काले सामाजिक गतिविधियों से भी जुड़े हुए थे और लंबे समय से रोटरी क्लब के माध्यम से सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे।

ज्वेलर्स की दुकान में चोरी करते चोर कैमरे में कैद

छिंदवाड़ा. कोतवाली थाना क्षेत्र में ज्वेलर्स शो रूम में चोरी की घटना सामने आई है। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। इस मामले में पुलिस से शिकायत कर दी गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जानकारी अनुसार मेन रोड स्थित गहना ज्वेलर्स में बुधवार शाम एक महिला ग्राहक बनकर दुकान पहुंची और ज्वेलर्स संचालक को बातों में उलझा लिया। इसी दौरान उसके साथ आए दो साथियों ने काउंटर से नगदी चोरी कर ली। महिला ने पहले सामान देखने के बहाने दुकानदार का ध्यान भटकाया। इसी बीच उसके साथी मौके का फायदा उठाकर काउंटर से नगदी लेकर निकल गए। हालांकि यह पूरी घटना शोरूम में लगे कैमरों कैद हो गई है। फुटेज में तीनों आरोपियों के चेहरे साफ नजर आ रहे हैं। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, काउंटर से करीब 5 से 7 हजार रुपए नगद चोरी हुए हैं। इस घटना के बाद कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

जिला जेल में बंदियों को शिक्षा के माध्यम से मिल रहा नया अवसर

नवभारत न्यूज
छिंदवाड़ा,07 मई. जिला जेल में बंदियों को शिक्षा के प्रति प्रेरित कर उनकी शैक्षणिक योग्यता बढ़ाने के लिये मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय एवं एन.आई.ओ.एस. राष्ट्रभाषा पात्रता परीक्षा के माध्यम से अध्ययन का अवसर प्रदान किया जा रहा है।

जेल अधीक्षक प्रतीक कुमार जैन के निर्देश एवं मार्गदर्शन में केन्द्राध्यक्ष ज्ञानांशु भारतीय उप जेल अधीक्षक तथा केन्द्र समन्वयक योगेन्द्र कुमार उईके जेल शिक्षक द्वारा म.प्र. भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल के विभिन्न पाठ्यक्रमों जैसे एम.बी.ए., एम.एस.डब्ल्यू., एम.ए., बी.ए., ट्रेवल्स एंड टूरिज्म एवं रूरल डेवलपमेंट आदि में बंदियों का प्रवेश करवाकर परीक्षाओं में सम्मिलित कराया जा रहा है।सत्र जनवरी-दिसंबर 2025 की परीक्षाओं में एम.बी.ए. फाइनल के 02, एम.एस.डब्ल्यू. फाइनल के 02, बी.ए. द्वितीय वर्ष के 04 एवं एम.ए. फाइनल ईयर के 01 बंदी परीक्षा में सम्मिलित हुए। परीक्षा परिणाम में एम.बी.ए. फाइनल ईयर में एक बंदी ने 72 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि दूसरे बंदी ने 58 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। एम.ए. फाइनल ईयर का परीक्षाफल शत-प्रतिशत रहा, जिसमें बंदी ने 65 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। एम.एस.डब्ल्यू. का परीक्षाफल 50 प्रतिशत रहा, जिसमें एक बंदी ने 65 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। बी.ए. का परीक्षाफल घोषित होना शेष है। जेल प्रशासन द्वारा परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने वाले दण्डित बंदियों को नियमानुसार 10 से 60 दिवस तक विशेष सजा माफी भी प्रदान की जाती है।

ग्राम देलाखारी का मामला, शिकायत के बाद भी नहीं हट रहा अतिक्रमण

स्कूल परिसर में अवैध अतिक्रमण से विद्यार्थी परेशान

नवभारत न्यूज
छिंदवाड़ा,07 मई. जिले के तामिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत देलाखारी में प्राथमिक विद्यालय और पुराने सरकारी अस्पताल भवन के आसपास अवैध अतिक्रमण का गंभीर मामला सामने आया है।

स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि शासकीय भूमि पर कुछ दुकानदारों ने हार्डवेयर सामान, लोहे के ढांचे और अस्थायी दुकानें खड़ी कर ली हैं, जिससे न केवल सरकारी संपत्ति पर कब्जा हो रहा है, बल्कि बच्चों के आवागमन और सार्वजनिक सुरक्षा भी खतरे में पड़ गई है।

ग्रामीणों के अनुसार, इस संबंध में पूर्व में ग्राम पंचायत को कई शिकायतें की गई थीं। शिकायत मिलने के बाद पंचायत ने संबंधित अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। नोटिस के बावजूद अतिक्रमणकारियों ने जगह खाली नहीं की, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्राम पंचायत के उपसरपंच राजदीप साहू ने बताया, स्कूल के पास यह अतिक्रमण होने से बच्चों को स्कूल आने-जाने में भारी परेशानी हो रही है। बाजार के दिनों में तो स्थिति और विकराल हो जाती है। भीड़भाड़ के कारण दुर्घटना का खतरा हमेशा बना रहता है। बच्चे छोटे हैं, ऐसे में कोई अनहोनी हो गई तो जिम्मेदारी किसकी होगी? उपसरपंच ने आगे खुलासा किया कि गांव के एक व्यक्ति ने पुराने सरकारी अस्पताल भवन पर भी अवैध कब्जा कर लिया है। यह भवन लंबे समय से बंद पड़ा था, लेकिन अब इस पर दुकानदार ने कब्जा जमा लिया है। इससे शासकीय संपत्ति का दुरुपयोग हो रहा है और भविष्य में अस्पताल सेवाएं शुरू करने की संभावना भी प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि अतिक्रमणकारी प्रभावशाली हैं, इसलिए पंचायत कार्रवाई करने में हिचक रही है।

रास्ता हो गया सकरा, जाम की बनती है स्थिति

स्थानीय निवासियों ने बताया कि स्कूल के पास संकरी गलियां पहले से हैं, ऊपर से दुकानों के सामान के ढेर लगने से रास्ता और सकरा हो गया है। खासकर सुबह-शाम स्कूल के समय और बाजार लगने पर यहां जाम जैसी स्थिति बन जाती है। महिलाएं और बुजुर्ग भी परेशान हैं। एक ग्रामीण ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, हमने कई बार पंचायत और तहसील को अवगत कराया, लेकिन नोटिस के अलावा कुछ नहीं हुआ।

पंचायत पर लग रहे संवालिया निशान

अब सवाल उठता है कि ग्राम पंचायत देलाखारी द्वारा नोटिस जारी होने के बावजूद कार्रवाई में देरी क्यों हो रही है? क्या अतिक्रमणकारियों का राजनीतिक संरक्षण है? स्थानीय लोग जिला प्रशासन, राजस्व विभाग और तामिया तहसील से मांग कर रहे हैं कि तत्काल अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाए। बच्चों की सुरक्षा और शासकीय संपत्ति की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

आरोग्य मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
इमरजेंसी सेवा, कार्डियक सेंटर एवं एक्सीडेंटल केयर, लेप्रोस्कोपिक एवं नजरल सर्जरी
आयुष्मान कार्ड के अंतर्गत निः शुल्क
एन्जियोग्राफी एवं एन्जियोप्लास्टी
हार्ट अटैक व सभी हृदय रोगों के उपचार की सुविधा प्रतिदिन उपलब्ध।
संपर्क करें- 6262640426, 8770507313, 9425845455
पता- पूजा लॉज के आगे परासिया रोड, छिंदवाड़ा (म.प्र.)

मानवता हॉस्पिटल
समर्पित सेवा भाव
मल्टीस्पेशिलिटी
डॉ. बबीता ठाकुर
एम.बी.बी.एस., एम.एस., प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग से संबंधित सारी सुविधाएं, नॉर्मल एवं सिजेरियन डिलीवरी एवं बच्चेदानी का ऑपरेशन उचित दामों पर।
डॉ. आशुतोष सिन्हा
एमबीबीएस एफएमजी, एमडी फिजिशियन (कंसल्टेंट फिजिशियन)
उपलब्ध सुविधाएं :- आकस्मिक चिकित्सा, आई.सी.यू., क्रिटिकल केयर ऑपरेशन, लेप्रोस्कॉपी, एक्सरे, पैथोलॉजी लैब, ट्रामा और एक्सीडेंट केयर एवं अन्य सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध।
पता:-भुवनेश्वर टॉवर, परासिया नाका, छिंदवाड़ा (म.प्र)
संपर्क करें- 07162-359522, 7974426766

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा. लि. के लिये मुद्रक, प्रकाशक आशीष श्रोती द्वारा हितकारिणी, प्रिंटिंग प्रेस सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित एवं गुजराती समाज भवन, नई आबादी छिंदवाड़ा से प्रकाशित। संपादक क्रांति चतुर्वेदी। * फोन- 235677,235988 E-mail-nbchh123@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत जिम्मेदार RNI Reg. No. MPHIN/2000/2589